

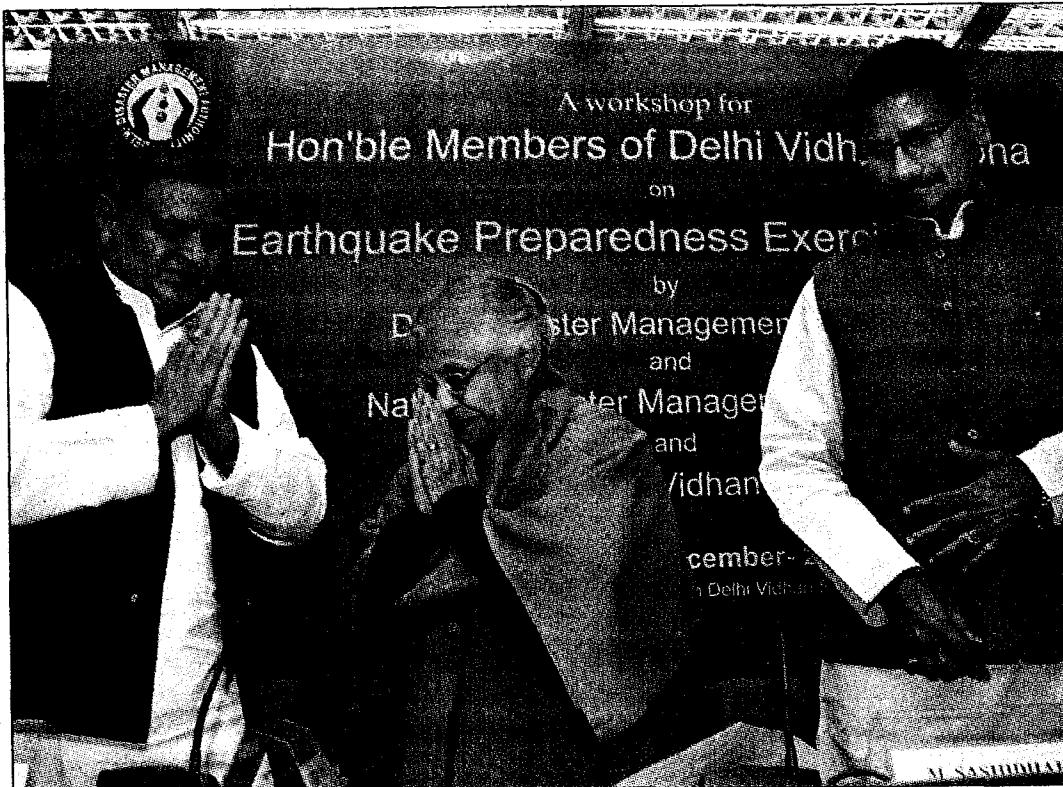
# PRESS REPORTS

**Client : DDMA And NDMA**

**News Paper : NAI DUNIYA**

**Edition : NEW DELHI**

**Date : 23.12.2011**



राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने विधानसभा में एक कार्यशाला का आयोजन किया और इस अवसर पर आपदा प्रबंधन संबंधी मूल अभ्यास भी किया (बाएं)

और कार्यक्रम के भीके पर मुख्यमंत्री शीला दीक्षित, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. योगानन्द शास्त्री और एनडीएमए के उपाध्यक्ष एम शशिघर रेण्टी।

फोटो : हरीश कुमार

# PRESS REPORTS

Client : DDMA And NDMA

News Paper : NAI DUNIYA

Edition : NEW DELHI

Date : 23.12.2011



## 'आपदा से निपटने को तैयार रखेंगे दिल्ली को'

नई दिल्ली (सं)। दिल्ली की मुख्यमंत्री शिला दीक्षित ने कहा कि सरकार राजधानी को पूरी तरह आपदा से निपटने के लिए तैयार रखने को कृतसंकल्प है। आपदा आने पर जान-माल के अलावा रोजगार को भारी क्षति पहुंचता है। श्रीमती दीक्षित ने विधानसभा में विधायकों के लिए आपदा प्रबंधन पर आयोजित कार्यशाला में आपदा प्रबंधन पर जन जागरूकता कार्यक्रम चलाने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष रेड्डी, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष डॉ. योगनन्द शास्त्री, दिल्ली के राजस्व मंत्री डॉ. अशोक कुमार वालिया, मुख्य सचिव प्रवीण कुमार त्रिपाठी, और राजस्व तथा दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सचिव विजयदेव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर आपदा प्रबंधन से संबंधित अन्यास भी प्रदर्शित किया गया।

श्रीमती दीक्षित ने कहा कि अलग-अलग किसी की आपदा से सभी लोगों को खतरा बना रहता है। दिल्ली में आपदा की आशंका बनी रहत है। क्योंकि ये जोन-4 में आती है। उन्होंने आपदा प्रबंधन पर जन जागरूकता अधियान चलाकर लोगों को जागरूक बनाने पर जोर दिया। आम लोगों को यह बताना चाहिए दशहत फैलाने से नुकसान और भी अधिक होता है।

Client

: DDMA And NDMA

News Paper : HARI BHOOOMI

Edition

: NEW DELHI

Date

: 23.12.2011

# आपदा से निपटने के लिए कृतसंकल्प है सरकार

हरिभूमि चूज, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री श्रीली दोषित ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनको सरकार दिल्ली को पूरी तरह आपदा प्रबंधन और इससे निपटने के लिए तैयार रखने को कामकाल्य है। जब आपदा आती है तो विनाशलीला होती है जिससे जीवन, रोजगार और सम्पत्ति को व्यापक नुकसान पहुंचता है। इससे न केवल जन-जीवन अस्त-व्यस्त होता है अपेक्षु ये ग्रहन से हासिल किए गए विकास के प्रयत्न भी ध्वन्त हो जाते हैं।

प्रगति के मामले में देश और शहर कई दशक पिछड़ जाते हैं। श्रीमती दोषित ने दिल्ली के विद्युतसभा में विधायिकों के लिए आपदा प्रबंधन आयोजित अब तक को पहली कार्यशाला में ये विचार उत्कर्षित किए। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपच्छास श्रीशश्वर डॉ. योगानन्द शास्त्री, राजस्व मंत्री डॉ. अमोक कुमार वालिया, मीडिया सचिव प्रबोध

कुमार-त्रिपाठी और रोजस्व तथा दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सचिव विजय देव ने भी आने विचार व्यक्त किए।

कई मंत्रियों समेत बड़ी संख्या में विधायक कार्यशाला में उपस्थित हुए। इस अवसर पर आपदा प्रबंधन से संबंधित अभ्यास भी प्रदर्शित किया

- विधायिकों के लिए भक्ति ग्रन्थादी से निपटने की तैयारी को कार्यशाला आयोजित

- तुरंत रिस्पैस प्रणाली मजबूत किए जाने की जरूरत

गया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए श्रीमती दोषित ने कहा कि अलग-अलग क्रिया की आपदा से सभी लोगों को खतरा बना रहता है। दिल्ली में आपदा की आशंका बड़ी रहती है क्योंकि बम्पर फिल्मेट, आतंकियों

घटनाएं, अग्नि दुर्घटना, इमारतें ढहने और सड़क दुर्घटनाएं आषदा की स्थिति उत्तेजना करती है। इसके अलावा भूकम्प की विद्युत से भी दिल्ली पर खतरा मंडराता है क्योंकि ये जोन-4 में आती है। इसके धन बसे इलाकों में असुरक्षित इमारतें हैं जो बिना मक्कों के ब्रेन हैं। इस बजह से भी खतरा बढ़ता है। पहले रिस्पैस का प्रतिलिपि रहत, बचाव और प्रतिरक्षित समझ जाना आ लेकिन अब इसके दायरे में आपदा नहोने देने के लिए धृतियों और जान-माल के नुकसान को कम से कम कमज़ा शायदि है।

हमें आपदा के दोषान सरकार की धोवना का अभ्यास विकसित करना होगा। इस दिशा में निर्वाचित प्रतिनिधि अहम भूमिका निभा सकते हैं और लोगों का इन मुद्दों पर जागरूक कर सकते हैं। आप आतंकियों को यह भी बताया जाना चाहिए कि वहशत फैलाने से नुकसान अवश्य होता है। उक्तने विभाग विवरण दिया जिए आपदा में सरकार और बचाव पर जारी देने के लिए इसको नकारात्मक पोइंट्स और

प्रफूल्य रेडियो का इस्तेमाल किया जाए। विधायकसभा अध्यक्ष डॉ. योगानन्द शास्त्री ने कहा आपदा का समयावधि कम रहते हैं तो कम इसको मार सिद्धी तक सही जाती है। आपदा प्रबंधन में एहतियात और इसके अलावा अपनी तथा दूसरों को जाने बचाना शायदि है।

पुराने समय से आपदाओं के वर्णन मिलते हैं। प्राकृतिक आपदा हमेशा जिनाशकारी और भयावह होती है। राजस्व मंत्री डॉ. वालिया ने कहा कि आपदा स्वास्थ्य प्रबंधन अपाला चालू करके रिस्पैस प्रिस्पैस को प्रभावित किया जा सकता है। इसके लिए अपनालीं, पर्म्बलेस और क्लोनिक वीं उत्तर बनाया जाना और वहां के क्लोनियों को प्रशिक्षित किया जाना जरूरी है। दिल्लीमें 15 फरवरी, 2012 को बड़े पैमाने पर मोक डिल होणी। मुख्य सचिव श्री त्रिपाठी ने कहा कि सरकार आपदे क्षमताएँ और जास्त आवास आवश्यकीय का आपदा प्रबंधन से संबंधित प्रशिक्षण देने के लिए प्रयत्नमाला की।

Client : DDMA And NDMA  
News Paper : JANSTTA

Date : 23.12.2011  
Edition : NEW DELHI

# प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए सरकार कोई क्षर नहीं छोड़ेगी: दीक्षित

जनसत्ता संवाददाता

नई दिल्ली, 22 दिसंबर। मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने कहा कि उनकी सरकार दिल्ली को पूरी तरह आपदा प्रबंधन और इससे निपटने के लिए तैयार रखने को कृत संकल्प है। जब आपदा आती है तो विनाश लीला होती है। इससे जीवन, रोजगार और संपत्ति को व्यापक नुकसान पहुंचता है। इससे न केवल जन-जीवन अस्त-व्यस्त होता है बल्कि पूरी मेहनत से हासिल किए गए विकास के फायदे भी ध्वस्त हो जाते हैं। प्रगति के मामले में देश और शर्कर कई दशक पिछड़ जाते हैं। दीक्षित ने दिल्ली विधानसभा में विधायकों के लिए आपदा प्रबंधन की अब तक की पहली कार्यशाला में ये विचार व्यक्त किए। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष शशिधर रेड्डी, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष डा. योगानंद शास्त्री, दिल्ली के राजस्व मंत्री डा. अशोक कुमार वालिया, मुख्य सचिव प्रवीण कुमार त्रिपाठी और राजस्व व दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सचिव विजयदेव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कई मंत्रियों समेत बड़ी

संख्या में विधायक कार्यशाला में उपस्थित हुए। इस अवसर पर आपदा प्रबंधन से संबंधित अध्यास भी प्रदर्शित किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए दीक्षित ने कहा कि अलग-अलग किसी की आपदा से सभी लोगों को खतरा बना रहता है। दिल्ली में आपदा की आशंका बनी रहती है क्योंकि बम विस्फोट, आतंकवादी घटनाएं, अनिन्देश्टना, इमारतें ढहने और सड़क दुर्घटनाएं आपदा की रिश्तिं पैदा करती हैं। इसके अलावा भूकम्प की दृष्टि से भी दिल्ली पर खतरा मंडराता है क्योंकि ये जोन-4 में आती है। इसके घने बरसे इलाकों में असुरक्षित इमारतें हैं जो बिना नवबोके बनी हैं। इस बजह से भी खतरा बढ़ता है। पहले रिस्पोस का मतलब राहत, बचाव और पुनरुत्थान मार्ग शामिल है। विधानसभा अध्यक्ष डा. योगानंद शास्त्री ने कहा आपदा की समयावधि कम रही है लेकिन इसकी मार सदियों तक सही जाती है। आपदा प्रबंधन में एहतियात और इसके अलावा अपनी व दूसरों की जाने बचाना शामिल है। पुराने समय से आपदाओं के बर्णन मिलते हैं। प्राकृतिक आपदा हमेशा विनाशकारी और भयावह होती है। राजस्व मंत्री डा. वालिया ने कहा कि आपात स्वास्थ्य प्रबंधन प्रणाली चालू करके रिस्पोस सिस्टम को मजबूत किया जा सकते हैं और लोगों का इन मुद्दों पर

जागरूक कर सकते हैं। आम आदमियों को यह भी बताया जाना चाहिए कि दहशत फैलाने से नुकसान अधिक होता है। प्रशिक्षण पर बल देते हुए दीक्षित ने कहा कि प्रशिक्षण में एहतियात सुनिश्चित करने और नुकसान कम करने को उजागर किया जाना चाहिए और इसके लिए बच्चों, इंजीनियरों, वास्तुकारों और अन्य सभी संबद्ध पर्यावरण को जानकारी दी जानी जरूरी है। उन्होंने विभाग को निर्देश दिया कि आपदा में सुरक्षा और बचाव पर जोर देने के लिए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और एफएम रेडियो की इस्तेमाल किया जाए।

विधानसभा अध्यक्ष डा. योगानंद शास्त्री ने कहा आपदा की समयावधि कम रही है लेकिन इसकी मार सदियों तक सही जाती है। आपदा प्रबंधन में एहतियात और इसके अलावा अपनी व दूसरों की जाने बचाना शामिल है। पुराने समय से आपदाओं के बर्णन मिलते हैं। प्राकृतिक आपदा हमेशा विनाशकारी और भयावह होती है। राजस्व मंत्री डा. वालिया ने कहा कि आपात स्वास्थ्य प्रबंधन प्रणाली चालू के उपायों पर पूरा जोर दे रही है। कई भवनों की रिटरो फिटिंग की जा रही है।

राष्ट्रीय आपदा प्राधिकरण के उपाध्यक्ष रेड्डी ने अपना प्रमुख भाषण देते हुए कहा कि 2004 में सुनामी आने के बाद इस प्राधिकरण का गठन किया गया। दिल्ली में जनसंख्या घनत्व का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यहाँ आपदा प्रबंधन के कई पहलू अलग हैं इसलिए दिल्ली अन्य राज्यों से इस सामाजिक में कुछ अलग है। प्रधानमंत्री चाहते हैं कि आपदा प्रबंधन के बारे में विश्वस्तरीय तैयारी की जाए। असुरक्षित भवनों का जिक्र करते हुए कहा कि महज पांच फौसद अतिरिक्त लागत से भवनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। उनके प्राधिकरण ने शहरों में बाड़ की स्थिति के बारे में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसका रिस्पोस फौसद काम कर रहा है जिसमें 12 बटालियन हैं। दिल्ली की जरूरतें पूरी करने के लिए एक बटालियन नोएडा में तैनात की गई है। एनडीएम अपने प्रयास जारी रखेगी कि आपदा में नुकसान कम से कम हो। इस दिशा में एनडीएम दिल्ली सरकार की पूरा सहयोग देगी।

Client

: DDMA And NDMA

News Paper : AJ SAMAJ

Edition

: NEW DELHI

Date

: 23.12.2011

आपदा से प्रभावित होती है प्रगति

# आपदा से निपटने को दिल्ली तैयार : दीक्षित

तुरंत रिस्पोंस प्रणाली  
मजबूत किए जाने की  
जरूरत

## □ मुख्य संवाददाता

दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने आज कहा कि उनकी सरकार दिल्ली को पूरी तरह आपदा प्रबंधन और इससे निपटने के लिए तैयार रखने को कृतसंकल्प है। जब आपदा आती है तो विनाश लीला होता है जिससे जीवन, रोजगार और संपत्ति को व्यापक नुकसान पहुंचता है। इससे न केवल जन-जीवन अस्त-व्यस्त होता है अपितु पूरी मेहनत से हासिल किए गए विकास के फायदे भी ध्वन्त हो जाते हैं। प्रगति के मामले में देश और शहर कई दशक पिछड़ जाते हैं। दीक्षित ने IDB और विधानसभा में विधायकों के लिए आपदा

प्रबंधन आयोजित अब तक की पहली कार्यशाला में ये विचार व्यक्त किए। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष शशिधर रेड्डी, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष डॉ. योगानंद शास्त्री, दिल्ली के राजस्व मंत्री डॉ. अशोक कुमार वालिया, मुख्य सचिव प्रवीण कुमार त्रिपाठी और राजस्व तथा दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सचिव विजयदेव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कई मंत्रियों समेत बड़ी संख्या में

■ विधायकों के लिए भूकंप की त्रासदी से निपटने की तैयारी की कार्यशाला विधानसभा में संपन्न ■ विधायकों से आपदा प्रबंधन और एहतियात का संवेदन फैलाने का आग्रह

विधायक कार्यशाला में उपस्थित हुए। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अलग-अलग किस्म की आपदा से सभी लोगों को खतरा बना रहता है। दिल्ली में आपदा की आपांका बनी रहती है क्योंकि बम विस्पोट, आतंकवादी घटनाएं, अग्नि दुर्घटना, इमरातें ढहने और सड़क दुर्घटनाएं आपदा की स्थिति उत्पन्न करती हैं। इसके अलावा भूकंप की दृष्टि से भी दिल्ली पर खतरा मंडराता है क्योंकि ये जोन-4 में आती है। इसके घंटे बासे इलाकों में असुरक्षित इमारतें हैं जो बिना नक्शे के बनी हैं। हमें आपदा के दोरान

सुरक्षा की भावना का आभास विकसित करना होगा। इस दिशा में निर्वाचित प्रतिनिधि अहम भूमिका निभाए सकते हैं और लोगों का इन मुद्दों पर जागरूक कर सकते हैं। आम आदमियों को यह भी बताया जाना चाहिए कि दहशत फैलाने से नुकसान अधिक होता है। प्रशिक्षण पर बंल देते हुए दीक्षित ने कहा कि प्रशिक्षण में एहतियात सुनिश्चित करने और नुकसान कम करने को उजागर किया जाना चाहिए और इसके लिए बच्चों, इंजीनियरों, वास्तुकारों और अन्य सभी संबद्ध पक्षों को जानकारी दी जानी जरूरी है। उन्होंने विभाग को निर्देश दिया कि आपदा में सुरक्षा और बचाव पर जोर देने के लिए इलेक्ट्रोनिक मीडिया और एफएम रेडियो का इस्तेमाल किया जाए।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. योगानंद शास्त्री ने कहा आपदा की समयावधि कम रही है, लेकिन इसकी मार सदियों तक सही जाती है। आपदा प्रबंधन में एहतियात और इसके अलावा अपनी तुश्शा दूसरी की जाने वालाना शामिल है। पुराने समय से आपदाओं के वर्णन मिलते हैं। प्राकृतिक आपदा हमेशा विनाशकारी और भयावह होती है। राजस्व मंत्री डॉ. वालिया ने कहा कि आपात स्वास्थ्य प्रबंधन

प्रणाली चालू करके रिस्पोंस सिस्टम को मजबूत किया जा सकता है। इसके लिए अस्पतालों, एम्बुलेंस और कर्मीनिक को उन्नत बनाया जाना और वहाँ के कर्मीयों को प्रशिक्षित किया जाना जरूरी है। इससे आपदा के समय जल्द से जल्द मदद और बचाव कार्य किया जा सकेगा। ऐसे कार्य में एक-एक पल कीमती होता है और हड्डबड़ में किए गए बचाव कार्य से कई बार ज्यादा नुकसान भी होता है। सभी अस्पतालों के बीच तालमेल को भी प्रभावी बनाया जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली में भूकंप से सुरक्षा पर जोर दिए जाने की जरूरत है। भूकंप की स्थिति से निपटने के लिए दिल्ली में दाई महीने का अभियान शुरू किया जा रहा है जिसमें लोगों में जागरूकता लाई जाएगी। एक मीडिया अभियान भी जल्द शुरू किया जाएगा। प्रधानमंत्री चाहते हैं कि आपदा प्रबंधन के बारे में विस्वस्तरीय तैयारी की जाए। असुरक्षित भवनों का उल्लेख करते हुए कहा कि महज पांच प्रतिशत अतिरिक्त लागत से भवनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। उनके प्राधिकरण ने शहरों में बाढ़ की स्थिति के बारे में दिशा-निर्देश जारी किए हैं।



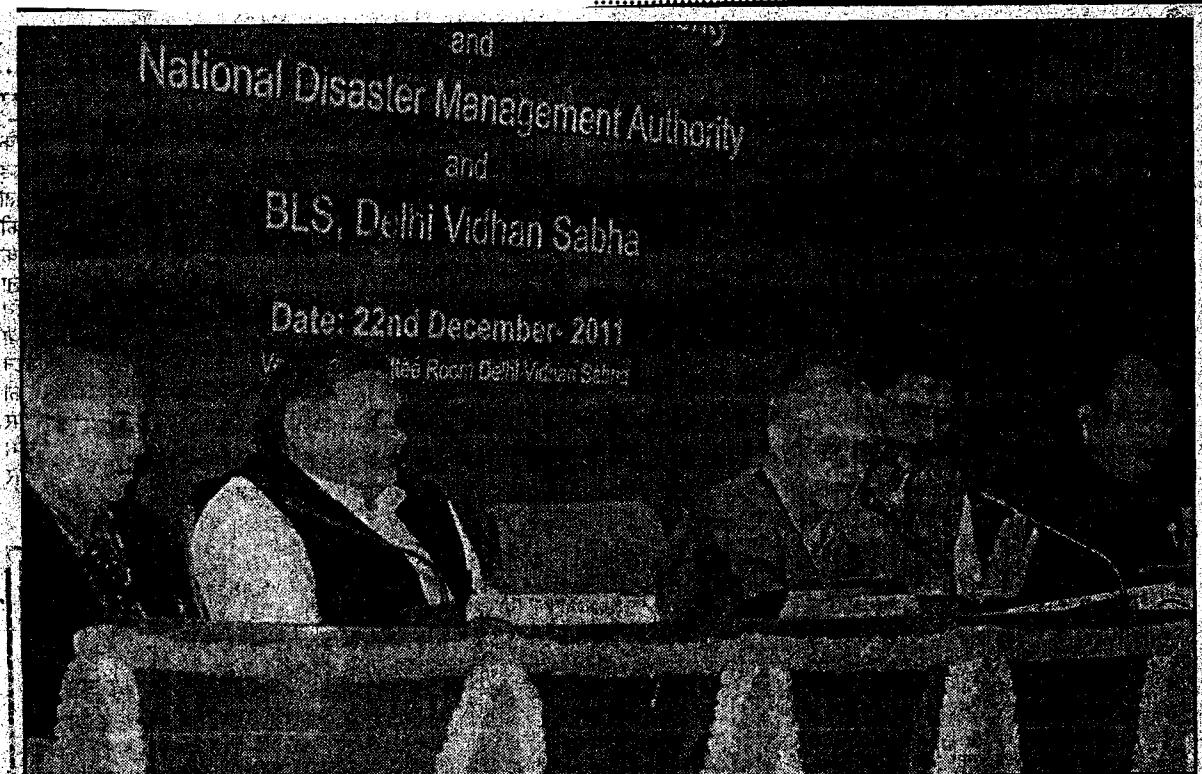
# PRESS REPORTS

Client : DDMA And NDMA

News Paper : SHAH TIMES

Edition : NEW DELHI

Date : 23.12.2011



दिल्ली सचिवालय में आपदा प्रबंधन पर आयोजित कार्यशाला को सम्बोधित करते मुख्यमंत्री शौला दीक्षित।

## हर आपदा से निपटने को तैयारः शीला

### शह टाइम्स सचाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली को मुख्यमंत्री शौला दीक्षित ने आज कहा कि उनकी सरकार दिल्ली के पीरी तरह आपदा प्रबंधन और इससे निपटने के लिए तैयार रखने को कृतसंकल्प है। जब आपदा आती है तो विनाश लोगों होती है जिससे जीवन, रोजगार और सम्पत्ति को व्यापक नुकसान पहुंचता है। इससे न बचने जब-जीवन अस्त-व्यस्त होता है अपितु पूरी मेहनत से हासिल किए गए विकास के काफ़िर भी व्यस्त हो जाता है। प्रगति के मामले में देष्ट और शहर कई दशक पिछड़ जाता है।

दीक्षित ने दिल्ली विधानसभा में विधायकों के लिए भूकम्प की जासदों से निपटने की तैयारी की आयोजित अपदा की भवती कार्यशाला में ये विचार व्यक्त किए। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपायकारी शशिष्वर रेडी, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष डॉ. योगानन्द शास्त्री, दिल्ली के राजस्व मंत्री डॉ. अशोक कुमार वालिया, मुख्य सचिव प्रवाण कुमार त्रिपाठी और

### समीक्षा

- विधायकों के लिए भूकम्प की जासदों से निपटने की तैयारी की कार्यशाला विधानसभा में सम्पन्न
- तुरन्त रिस्पोंस प्रणाली मजबूत किए जाने की जरूरत

राजस्व तथा दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सचिव श्री विजयदेव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कई विधायियों समेत बड़ी संख्या में विधायक कार्यशाला में उपस्थित हुए। इस अवसर पर आपदा प्रबंधन से संबंधित आयात भी प्रदर्शित किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए दीक्षित ने कहा कि अलग-अलग कार्यस्थलों पर आपदा से सभी लोगों को बचाना रहता है। दिल्ली में आपदा की आंखों बनी होती है क्योंकि वर्ष मिस्प्रोट, आंखें बढ़ावा देती हैं, आंखें दुर्घटनाएं होती हैं और लोगों को इन मद्दों पर जागलक कर सकते हैं। आप आपदा की स्थिति उत्तेजन करती हैं। इसके अलावा भूकम्प को दृष्टि से भी दिल्ली पर खतरा मंडराता है।

पर बल दरे तरे अपनी चीकता ने कहा कि विधानसभा में पहलीसात सौनारेचत करने और पुरुषत कम करने को उत्तम लक्ष्य जाना चाहिए और इसके लिए वन्यजीवों की जाहिरत बाहुदारी और अन्य पर्यावरण के पक्षों को जानकारी दी जानी जरूरी है। उन्होंने विधायकों को निर्देश दिया कि आपदा में सूखा और बाढ़ाव और जोर देने के लिए इलेक्ट्रोनिक गोटिया और गफ्तार ऐडियो का इस्तेमाल किया जाए।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. योगानन्द शास्त्री ने कहा आपदा की समयावधि कम होती है, लोकन इसको पर लाइव रूप सही जाता है। आपदा प्रबंधन पर प्रतिशत और

उपर विधायकों द्वारा उपलब्धी जान लाना आसान होता है। मौल समय से आपदाओं के बगाने मिलता है।

प्राकृतिक आपदा होमें बिनाशकारी और मयावह होती है। राजस्व मंत्री डॉ. वालिया ने कहा जैक आपदा स्वास्थ्य प्रबंधन प्रणाली जाल करने वाली सिस्टम को मजबूत किया जा सकता है।

# PRESS REPORTS

Client : DDMA And NDMA

News Paper : LOKSATYA

Edition : NEW DELHI

Date : 23.12.2011

लोकसत्य नई दिल्ली, शुक्रवार, 23 दिसंबर, 2011

विधायकों ने सीरवे आपदा प्रबंधन के पुरा

## आपदा से निपटना अहम : शीला

नई दिल्ली, लोस। दिल्ली के विधायक भी आपदा प्रबंधन के गुर सीखे। बृहस्पतिवार को दिल्ली विधानसभा ने इनके लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने कहा कि दिल्ली की उनकी सरकार दिल्ली को पूरी तरह आपदा प्रबंधन और इससे निपटने के लिए तैयार रखने को कृतसंकरित है। जब आपदा आती है तो चिनाश होती है जिससे जीवन, रोजगार और सम्पत्ति को व्यापक नुकसान पहुंचता है। इससे न केवल जन-जीवन अस्त-व्यस्त होता है अपितु पूरी मेहनत से हासिल किए गए विकास के फायदे भी व्यस्त हो जाते हैं। प्रगति के मामले में देश और शहर



कई दशक पिछड़ जाते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपायक्षम शिश्ठर रेडी, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष डा. योगनन्द शास्त्री, दिल्ली के राजस्व मंत्री डा. अशोक कुमार वालिया, मुख्य सचिव प्रवीण कुमार त्रिपाठी और राजस्व तथा दिल्ली

आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सचिव विजयदेव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कई मंत्रियों समेत बड़ी संख्या में विधायक कार्यशाला में उपस्थित हुए। इस अवसर पर आपदा प्रबंधन से संबंधित अभ्यास भी प्रदर्शित किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अलग-अलग किसी की आपदा से सभी लोगों को खतरा बना रहता है। दिल्ली में आपदा की आशंका बनी रहती है क्योंकि बम विस्फोट, आतंकवादी घटनाएं, अग्नि-दुर्घटना, इमारतें ढहने और सड़क दुर्घटनाएं आपदा की स्थिति उत्पन्न करती हैं। इसके अलावा भूकम्प की दृष्टि से भी दिल्ली पर खतरा मंडराता है क्योंकि ये जोन-4 में आती है। इसके घने बसे

इलाकों में असुरक्षित इमारतें हैं जो बिना नक्शे के बनी हैं। इस बजह से भी खतरा बढ़ता है। पहले रिस्पॉस का मतलब राहत, बचाव और पुनर्निर्माण समझा जाता था लेकिन अब इसके दायरे में आपदा न होने देने के लिए एहतियात और जानमाल के नुकसान को कम से कम करना शामिल है। हमें आपदा के दौरान सुरक्षा की भावना का आधास विकसित करना होगा। इस दिशा में निर्वाचित प्रतिनिधि अहम भूमिका निभा सकते हैं और लोगों को इन मुद्दों पर जागरूक कर सकते हैं। आप आदमियों को यह भी बताया जाना चाहिए कि दहशत फैलाने से नुकसान अधिक होता है। प्रशिक्षण पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशिक्षण में एहतियात सुनिश्चित करने और नुकसान कम करने को उजागर किया जाना चाहिए और इसके लिए बच्चों, इंजीनियरों, वास्तुकारों और अन्य सभी सम्बद्ध पक्षों को जानकारी दी जानी जरूरी है, उन्होंने विभाग को निर्देश दिया कि आपदा में सुरक्षा और बचाव पर जोर देने के लिए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और एफएम रेडियो का इस्तेमाल किया जाए।

विधानसभा अध्यक्ष डा. योगनन्द शास्त्री ने कहा आपदा की समयावधि कम रही है लेकिन इसकी मार सदियों तक सही जारी है। आपदा प्रबंधन में एहतियात और इसके अलावा अपनी तथा दूसरों की जानें बचाना शामिल है। पुराने समय से आपदाओं के वर्णन मिलते हैं। प्राकृतिक आपदा हमेशा विनाशकारी और भयावह होती है।

Client

: DDMA And NDMA

News Paper : VEER ARJUN

Edition

: NEW DELHI

Date

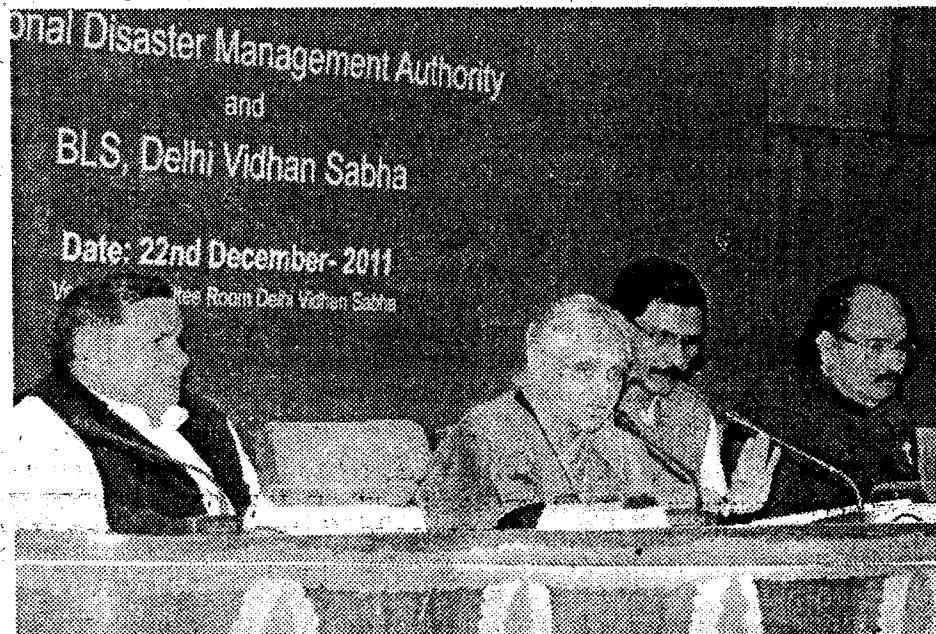
: 23.12.2011

# आपदा प्रबंधन के लिए विधायकों की लगी कलास

वीर अर्जुन सचिवादाता

नई दिल्ली। राजधानी का भूकम्प जोन 4 में होने के नाते हमेशा यह आपदा का खतरा बना रहता है और तेजी से बढ़ी अनाधिकृत कॉलोनियों ने इसका दौर नींद उड़ा रखी है। यही कारण है कि अब सरकार ने आपदा प्रबंधन के लिए गुरुवार को दिल्ली विधानसभा में विधायकों के लिए आपदा प्रबंधन आयोजित अब तक की पहली कार्यशाला आयोजित की गई।

दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने आज कहा कि उनकी सरकार दिल्ली को पूरी तरह आपदा प्रबंधन और इससे निपटने के लिए तैयार रखने को कृतसकल्प है। जब आपदा आती है तो विनाश लोला होती है जिससे जीवन, रोजगार और सम्पत्ति को व्यापक नुकसान पहुंचता है। इससे न केवल जनजीवन अस्तव्यस्त होता है अपितु पूरी मेहनत से हासिल किए गए विकास के फायदे भी ध्वन्त हो जाते हैं। प्रगति के मामले में देश और शहर कई दशक पिछड़ जाते हैं। मुख्यमंत्री ने दिल्ली विधानसभा में विधायकों के लिए आपदा प्रबंधन आयोजित अब तक की पहली कार्यशाला में ये विचार व्यक्त किए। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री शशिधर रेड्डी, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष डॉ. योगानन्द शास्त्री, दिल्ली के राजस्व मंत्री डॉ. अशोक कुमार बालिया, मुख्य सचिव श्री प्रवीण कुमार त्रिपाठी और राजस्व तथा दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सचिव श्री विजय देव ने भी अपने विचार व्यक्त किए।



दिल्ली विधानसभा में आपदा प्रबंधन पर विधायकों की कार्यशाला को सम्बोधित करती मुख्यमंत्री शीला दीक्षित उनके साथ हैं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. योगानन्द शास्त्री, स्वास्थ्यमंत्री डॉ. अशोक बालिया।

कई मंत्रियों समेत बड़ी संख्या में विधायकों कार्यशाला में उपस्थित हुए। इस अवसर पर आपदा प्रबंधन से संबंधित अभ्यास भी प्रदर्शित किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए श्रीमती दीक्षित ने कहा कि अलग-अलग किसी की आपदा से सभी लोगों को खतरा बना रहता है। दिल्ली में आपदा की आशंका बड़ी रहती है क्योंकि ये जोन-4 में आती हैं। इसके घने बसे इलाकों में असुरक्षित इमारतें हैं जो विनाशकर के बनी हैं। इस बजह से भी खतरा बढ़ता है। पहले रिस्यांस का मतलब राहत, बचाव और पुनर्निर्माण समझा जाता था लेकिन इब इसके दायरे में आपदा न होने देने के लिए एहतियात और जानलमाल के नुकसान को कम से कम करना शामिल है। हमें आपदा को दौरान सुरक्षा की भावना का आभास

स्थिति उत्पन्न करती है। इसके अलावा भूकम्प की दृष्टि से भी दिल्ली पर खतरा मंडराता है क्योंकि ये जोन-4 में आती हैं। इसके घने बसे इलाकों में असुरक्षित इमारतें हैं जो विनाशकर के बनी हैं। इस बजह से भी खतरा बढ़ता है। पहले रिस्यांस का मतलब राहत, बचाव और पुनर्निर्माण समझा जाता था लेकिन इब इसके दायरे में आपदा न होने देने के लिए एहतियात और जानलमाल के नुकसान को कम से कम करना शामिल है। हमें आपदा को दौरान सुरक्षा की भावना का आभास को जानकारी दी जानी जरूरी है।

# PRESS REPORTS

Client : DDMA And NDMA

News Paper : VEER ARJUN

Edition : NEW DELHI

Date : 23.12.2011

उन्होंने विभाग को निर्देश दिए कि आपदा में सुरक्षा और बचाव पर जोर देने के लिए इलैक्ट्रॉनिक मीडिया और एफएम रेडियो का इस्तेमाल किया जाए।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. योगानन्द शास्त्री ने कहा कि आपदा की समयावधि कम रही है लेकिन इसकी मार संदियों तक सही जाती है। आपदा प्रबंधन में एहतियात और इसके अलावा अपनी तथा दूसरों की जानें बचाना शामिल है। पुराने समय से आपदाओं के वर्णन मिलते हैं। प्राकृतिक आपदा हमेशा विनाशकारी और भयावह होती है। राजस्व मंत्री डॉ. वालिया ने कहा कि आपात स्वास्थ्य प्रबंधन गणाली चालू करके रिसांस सिस्टम को मजबूत किया जा सकता है। इसके लिए अस्पतालों, एम्बुलेंस और क्लिनिक को उत्तर बनाया जाना और वहाँ के कर्मियों को प्रशिक्षित किया जाना जरूरी है। इससे आपदा के समय जल्द से जल्द मदद

और बचाव कार्य किया जा सकेगा। ऐसे कार्य में एक-एक पल कीमती होता है और हड्डबड़ में किए गए बचाव कार्य से कई बार ज्यादा नुकसान भी हुआ है। सभी अस्पतालों के बीच तालमेल को भी प्रभावी बनाया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली में भूकम्प से सुरक्षा पर जोर दिए जाने की जरूरत है। भूकम्प की स्थिति से निपटने के लिए दिल्ली में ढाई महीने का अभियान शुरू किया जा रहा है जिसमें लोगों में जागरूकता लाई जाएगी। एक मीडिया अभियान भी जल्द शुरू किया जाएगा। दिल्ली में 15 फरवरी 2012 को बड़े पैमाने पर भौकंप डिल होंगी। मुख्य राजिका श्री त्रिपाठी ने कहा कि सरकार अपने कर्मचारियों और आम आदमियों को आपदा प्रबंधन से संबंधित प्रशिक्षण देने के लिए पूरा सहयोग देगी। सरकार आपदा प्रबंधन के उपायों पर पूरा जोर दे रही है। कई भवनों की रिटरो फिटिंग की जा रही है।